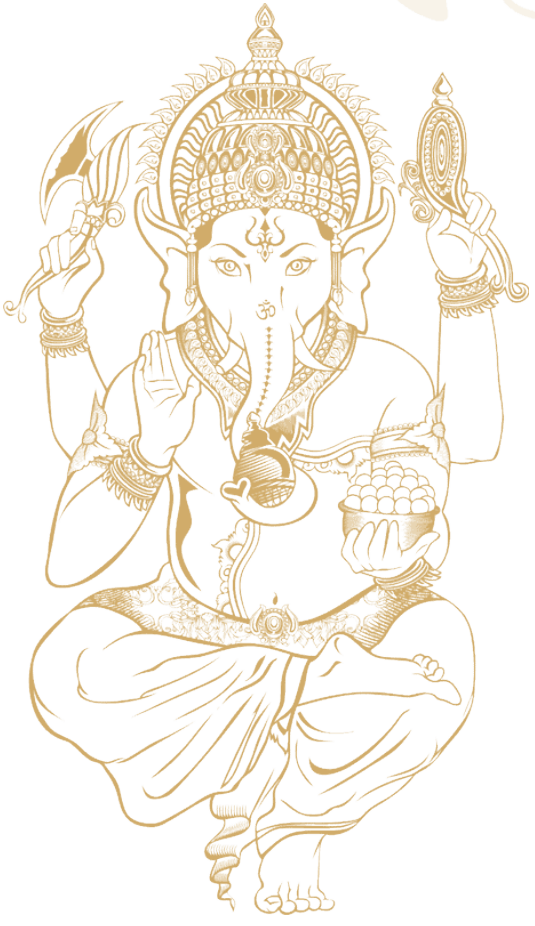

Subham

Neetu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121304804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/02/1997	जन्म तिथि	17/10/2004
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 22:45:00	जन्म समय	15:40:00 घंटे
घटी 38:34:47	जन्म समय(घटी)	22:34:11 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Bikaner
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:19:05	सूर्योदय	06:38:19
18:22:45	सूर्यास्त	18:05:06
23:49:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:16

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 7वर्ष 10मा 15दि		25:33:47	कन्या	लग्न	कुंभ	11:10:42	शनि 3वर्ष 10मा 4दि	
बुध		27:11:21	मक	सूर्य	तुला	00:27:33	केतु	
27/12/2023		26:46:11	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	13:58:03	22/08/2025	
26/12/2040		12:01:10	कन्या व	मंगल	कन्या	19:44:39	22/08/2032	
बुध	25/05/2026	06:51:57	मक	बुध	तुला	08:26:53	केतु	18/01/2026
केतु	22/05/2027	10:38:44	मक	गुरु	कन्या	10:50:42	शुक्र	20/03/2027
शुक्र	22/03/2030	14:21:48	मक	शुक्र	सिंह	22:10:28	सूर्य	26/07/2027
सूर्य	26/01/2031	10:38:11	मीन	शनि	कर्क	02:58:43	चन्द्र	24/02/2028
चन्द्र	27/06/2032	05:23:26	कन्या व	राहु	मेष	08:12:37	मंगल	23/07/2028
मंगल	24/06/2033	05:23:26	मीन व	केतु	तुला	08:12:37	राहु	10/08/2029
राहु	11/01/2036	11:44:55	मक	हर्ष व	कुंभ	09:12:53	गुरु	17/07/2030
गुरु	18/04/2038	04:29:42	मक	नेप व	मक	18:41:57	शनि	26/08/2031
शनि	26/12/2040	11:34:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	26:13:22	बुध	22/08/2032

लग्न-चलित

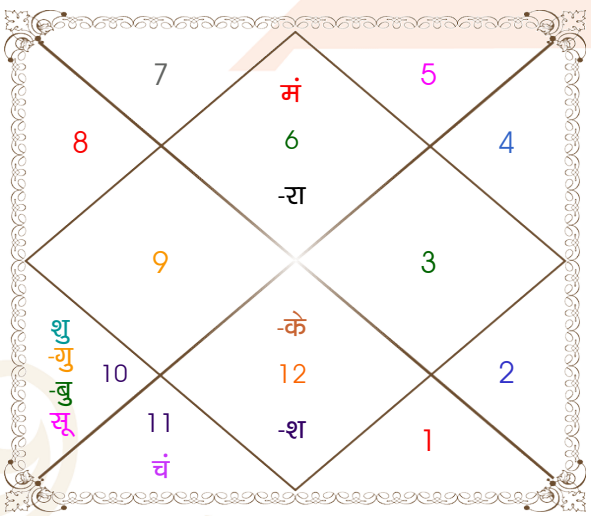

लग्न-चलित

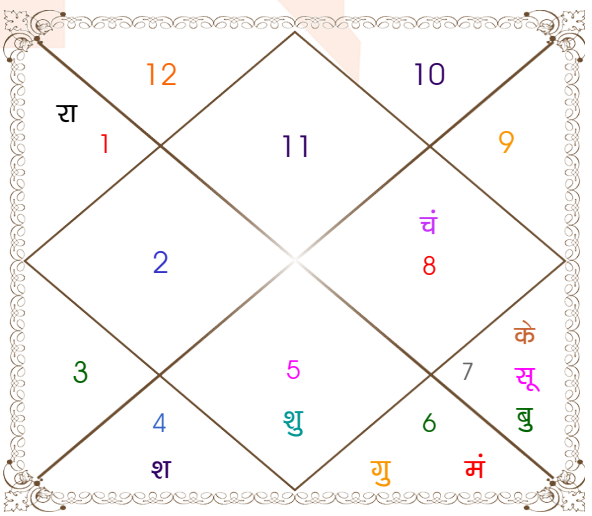

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

ैनईंउ का वर्ग सर्प है तथा छममजन का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारै नईंउ और छममजन का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनईंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु नईंउ कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छममजन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु छममजन कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छममजन कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनईीउ तथा छममजन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।